भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 157

दिनांक 10 फरवरी, 2026

असम में कृषि विज्ञान केंद्र

***157. श्री रंजीत दत्ता :**

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या असम के बिश्वनाथ जिले, जो मुख्यत: कृषि प्रधान क्षेत्र है, में स्थानीय किसानों के लिए कृषि योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रशिक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए एक समर्पित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) की आवश्यकता है;

(ख) क्या उक्त जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना के लिए असम राज्य सरकार/संबंधित एजेंसी से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है अथवा विचाराधीन है;

(ग) यदि हां, तो उक्त प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है और क्या वर्तमान अथवा आगामी वित्तीय वर्ष में इस प्रयोजनार्थ कोई बजटीय प्रावधान किए गए हैं; और

(घ) यदि हां, तो उक्त केन्द्र के अनुमोदन और निर्माण की संभावित समय-सीमा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ): विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

*****

"असम में कृषि विज्ञान केंद्र" से संबंधित लोक सभा के दिनांक 10.02.2026 के तारांकित प्रश्न संख्या 157 के भाग (क) से (घ) से संबंधित विवरण

(क) : बिस्वनाथ, असम का एक नवसृजित जिला है जिसे सोनितपुर जिले से विभाजित किया गया है और यह मुख्यतः एक कृषि प्रधान जिला है। यहाँ कृषक समुदायों के लाभ के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार की आवश्यकता है। वर्तमान में सोनितपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र बिस्वनाथ जिले में भी अपनी गतिविधियाँ संचालित कर रहा है।

(ख) एवं (ग) : असम के बिस्वनाथ जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना के लिए असम राज्य सरकार/संबंधित एजेन्सी से ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। हालांकि, इस जिले को कृषि विज्ञान केन्द्र (KVK) की स्थापना के लिए ईएफसी (2021-26) दस्तावेज में शामिल किया गया है।

(घ) : किसी नवसृजित जिले में नए कृषि विज्ञान केंद्र को खोला जाना निर्धारित कार्यविधि और दिशा-निर्देशों के अनुसार एक सतत प्रक्रिया है। जिले में कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना की प्रक्रिया पर वांछित अनुमोदन प्राप्त होने, आवश्यक मानदंड पूरे होने और निधि की उपलब्धता होने पर ही विचार किया जाता है।

****